

बेदती-वरदा नदी को आपस में जोड़ने की परियोजना

प्रलम्बिस् के लयिः

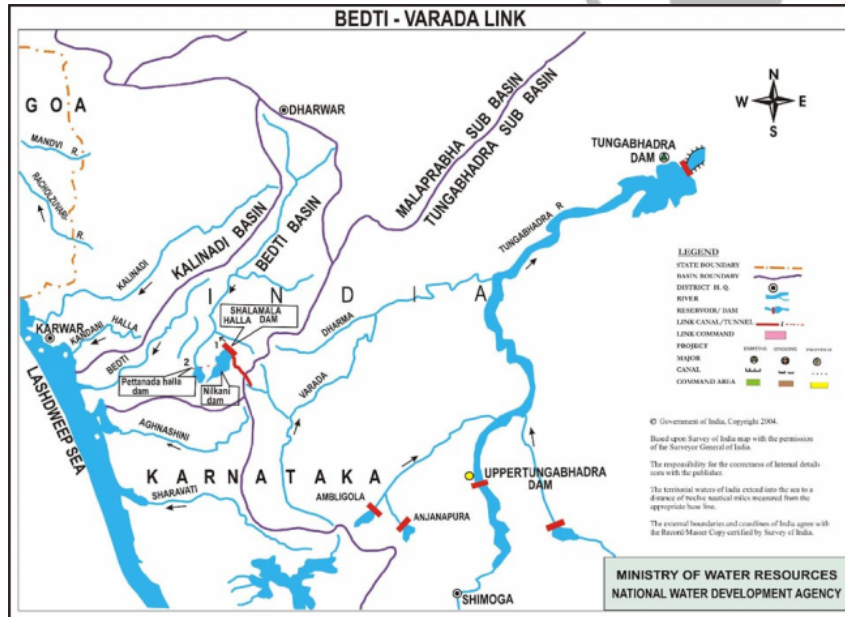
बेदती-वरदा नदी को आपस में जोड़ने की परयिोजना, तुंगभदरा नदी,

मेन्स के लयिः

नदयिों को आपस में जोड़ने वाली परयिोजनाओं के मुददे ।

चरचा में क्योँ?

कर्नाटक में दो परयावरण समूहों ने बेदती और वरदा नदयिों को जोड़ने की परयिोजना की आलोचना करते हुए इसे अवेज्जानकि और जनता के पैसे की बर्बादी बताया है ।



बेदती-वरदा परयिोजनाः

- बेदती-वरदा परयिोजना की परकिल्पना वर्ष 1992 में पेयजल की आपूर्ति के लयि की गई थी ।
- इस योजना का उददेश्य अरब सागर की ओर पश्चमि में बहने वाली एक नदी बेदती को तुंगभदरा नदी की एक सहायक नदी वरदा के साथ जोड़ना है, जो कृष्णा नदी में मलिकर बंगाल की खाड़ी में गरिती है ।
- गदग ज़लि के हरिवाडट्टी में एक वशाल बाँध बनाया जाएगा ।
- उत्तर कन्नड़ ज़लि के सरिसी के मेनासागोडा में पट्टनहल्ला नदी पर एक दूसरा बाँध बनाया जाएगा ।
- दोनों बाँध सुरंगों के माध्यम से वरदा तक पानी ले जाएंगे ।
- पानी केंगरे तक पहुँच जाएगा और फरि हककालुमाने तक 6.88 कर्मि. की सुरंग से नीचे प्रवाहति होगा, जहाँ यह वरदा में शामिल हो जाएगा ।
- इस प्रकार इस परयिोजना में उत्तर कन्नड़ ज़लि के सरिसी-येलापुरा क्शेत्त्र के जल को रायचूर, गडग और कोपपल ज़लिों के शुष्क क्शेत्त्रों में ले जाने की परकिल्पना की गई है ।
- बेदती और वरदा नदयिों की पट्टनहल्ला (Pattanahalla) और शालमलाहल्ला (Shalmalahalla) सहायक नदयिों से कुल 302 मिलियन क्यूबकि

मीटर पानी, जबकि 222 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी बेदती नदी के वपिरीत बने सुरेमाने बेराज से निकाला जाएगा।

- गडग तक पानी खींचने के लिये परियोजना को 61 मेगावाट बजिली की आवश्यकता होगी। इसके बाद भी यह पता नहीं चल पाया है कि पानी गडग तक पहुँचेगा या नहीं।

परियोजना से जुड़े मुद्दे:

- **मार्ग के पुनःनरिधारण में मुश्किल :**
 - पश्चिम की ओर बहने वाली नदी को पूर्व की ओर बहने के लिये पुनर्नरिदेशित करना कठिन कार्य है।
- **वर्षा जल पर नरिभर नदियाँ:**
 - गर्मियों की शुरुआत में, बेदती और वरदा नदियाँ सूखने लगती हैं।
 - यह एक दुखद वडिंबना है कि सरकार द्वारा नयिकृत वैज्ञानिक इन नदियों को पीने का पानी उपलब्ध कराने के बहाने आपस में जोड़ने की योजना बना रहे हैं, यह जानते हुए भी कि वे पूरे साल नहीं बहती हैं।
- **उच्चति प्रोजेक्ट रपिर्ट का अभाव:**
 - सचिाई वभिाग द्वारा तैयार की गई वसितृत परियोजना रपिर्ट (Detailed Project Report- DPR) सटीक नहीं है क्योंकि यह पानी की उपलब्धता का आकलन कयि बनिा और बेदती-अघानाशनिी और वरदा नदियों के अंतरसंबंध पर [राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी](#) (National Water Development Agency- NWDA) की रपिर्ट के अवलोकन को उद्धृत कयि बनिा तैयार की गई थी।
- **पर्यावरणीय प्रभाव :**
 - 500 एकड़ से ज्यादा जंगल खतम हो जाएँगे। अंततः परिणाम यह होगा कि पानी की भी काफी कमी हो जाएगी।
 - इस परियोजना से वनस्पतयिी और जीवों को भी नुकसान होगा।
 - **प्रकृति के संरक्षण के लिये अंतरराष्ट्रीय संघ** द्वारा बेदती घाटी को एक सक्रयि जैव वविधिता कषेत्तर के रूप में नामति कयिा गया है।
 - यह कषेत्तर 1,741 प्रकार के फूलों के पौधों के साथ-साथ पक्षयिी और जानवरों की 420 प्रजातयिी का आवास है।
 - नदी के साथ जो पोषक तत्त्व होते हैं, वे वशिष रूप से देदी में बेदती के मुहाने पर मछली के भंडार को बनाए रखने के लिये उत्तरदायी होते हैं।
 - नदी घाटी लगभग 35 वभिनि पशु प्रजातयिी के लिये गलियारे (corridor) के रूप में कार्य करती है। मुहाना कषेत्तर में बेदती को गंगावली के नाम से जाना जाता है।
- **हजारों लोगों के प्रभावति जीवन:**
 - बेदती और वरदा नदियाँ तट के कनारे मछली पकड़ने वाले समुदायों के अलावा, पश्चिमी घाट की तलहटी, मालेनाडु कषेत्तर में हजारों किसानों के लिये जीवन जीने का आधार है।

आगे की राह:

- नदियों को आपस में जोड़ने के अपने लाभ और नुकसान हैं, लेकिन आर्थिक, राजनीतिक और पर्यावरणीय प्रभावों को देखते हुए इस परियोजना को केंद्रीकृत राष्ट्रीय स्तर पर लागू करना एक समझदारी भरा नरिणय नहीं हो सकता है।
- इसके बजाय नदियों को जोड़ने का **वकिेन्द्रीकृत तरीके से अनुसरण कयिा जा सकता है, और बाढ़ एवं सूखे को कम करने के लिये वर्षा जल संचयन जैसे अधिक टकिाऊ तरीकों को बढ़ावा दयिा जाना चाहयि।**

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्षों के प्रश्न:

प्रश्न: हाल ही में नमिनलखिति में से कनि नदियों को आपस में जोड़ने का कार्य शुरू कयिा गया है? (2016)

- (a) कावेरी और तुंगभद्रा
- (b) गोदावरी और कृष्णा
- (c) महानदी और सोन
- (d) नर्मदा और ताप्ती

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- गोदावरी और कृष्णा नदियों को आंध्र प्रदेश के पश्चिमी गोदावरी ज़िले में पट्टीसीमा लफिट सचिाई परियोजना के तहत आपस में जोड़ा गया था।

अतः वकिल्प (b) सही है।

स्रोत: डाउन टू अर्थ

